NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : हिन्दी

Chapter : 4

Chapter Name : धर्म चक्र प्रवर्तन

Q1 बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद सिद्धार्थ ने प्रथम उपदेश कहाँ और किन्हें दिया?

Answer. बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद सिद्धार्थ ने अपना प्रथम उपदेश मृगदाव वन के उन पाँच भिक्षुओं को दिया जिन्होंने शाक्यमुनि को तप-भ्रष्ट भिक्षु मानकर उनका साथ छोड़ दिया था|

Page : 65 , Block Name : प्रश्न

Q2 अष्टांग योग की प्रमुख बातों का उल्लेख कीजिए?

Answer. शरीर को कष्ट देने के बजाय योग की युक्तियों से ज्ञान को प्राप्त करना, कष्टकर, तप और आसक्तिमय भोग को त्याग कर बोध को प्राप्त करना,मध्य मार्ग कहलाता है और यही मध्य मार्ग तीनों लोकों में 'अष्टांग योग' के नाम से प्रसिद्ध हैं| अष्टांग योग के माध्यम से हम सांसारिक मोह- माया से खुद को मुक्त कर सकते हैं|

Page : 65 , Block Name : प्रश्न

Q3 भगवान बुद्ध काशी से राजगृह क्यों आए?

Answer. भगवान बुद्ध को अपने शिष्यों को उपदेश देने के बाद आकास्मक याद आया कि उन्होंने मगध के राजा बिंबसार को यह वचन दिया था कि वह अपने ज्ञान प्राप्ति के बाद उन्हें धर्म की उपदेश और दीक्षा देंगे| अपने इसी वचन को पूरा करने के लिए भगवान बुद्ध काशी से राज गृह आए|

Page : 65 , Block Name : प्रश्न

Q4 प्रसेनजित ने भगवान बुद्ध से क्या निवेदन किया?

Answer. भगवान बुद्ध के कोसल प्रदेश आने पर प्रसेनजित काफी प्रसन्न हुए, उन्होंने भगवान बुद्ध से कोसल प्रदेश में ही निवास करने का निवेदन किया|

Page : 65 , Block Name : प्रश्न

Q5 तथागत ने कर्म के बारे में शुद्धोदन को क्या समझाया?

Answer. तथागत ने कर्म के बारे में शुद्धोदन को यह समझाया कि इस सारे संसार का मूल मंत्र कर्म है| कर्म ही है जो मृत्यु के बाद भी आपकेे साथ होता है| इसलिए आप कर्म का स्वभाव, कारण, फल और आश्रय इन चारों को समझने की कोशिश करें| आप शांति के पथ को अपनाएँ जिससे आप द्वेष,ईर्ष्या, मोह,माया सब पर काबू पा सकेंगे|

Page : 65 , Block Name : प्रश्न

aglasem.com

Q6 अम्रपाली कौन थी? तथागत ने उसे क्या समझाया?

Answer. आम्रपाली वैशाली जिले की नगरवधू थी और वह अत्यंत खूबसूरत महिला थी| जब आम्रपाली को पता चला कि तथा-गत उसके उद्यान में निवास कर रहे हैं तो वह उनके दर्शन के लिए गई| दर्शन के उपरांत तथा-गत ने अम्रपाली को समझाया कि इस संसार में धर्म ही सत्य है,धर्म ही शाश्वत है| अतः धर्म के मार्ग पर चलने वाला इंसान सदैव सुखी रहता है| यौवन, शरीर और जीवन का नाश हो सकता है परंतु धर्म का कोई नाश नहीं कर सकता|

Page : 65 , Block Name : प्रश्न

aglasem.com